Volume-4, Issue-7, July-2015 • ISSN No 2277 - 8160

Research Paper | Commerce

bUnkj DykFk ekdsZV dks- vkijfsV0g csad fy-] bUnkSj iixfr] orZeku pqukSfr;k¡ o l¡Hkko

vikas dammani | M.Phil(commerce) AISECT University Bhopal

Dr.Dipti Maheshwari | hod commerce Dpt. AISECT University,Bhopal

Dr. Sangeeta Johri

ABSTRACT

सन् 1991 के पश्चात देश के आर्थिक परिदृश्य में अनेक परिवर्तन हुए हैं बैंके अर्थव्यवस्था से गहरे से जुड़ी रहती है इस कारण आर्थिक क्षेत्र के परिवर्तनों का प्रभाव सरकारी व सहकारी क्षेत्रों की बैंकों पर गहरे से पड़ा है। देश के अनेक सहकारी बैंक या तो बंद हो गये या बंद होने की कगार पर पहुंच गये इन सब विपरीत परिस्थितियों के बाद भी इन्दौर क्लाथ मार्केट को. आपरेटिव्ह बैंक लिमिटेड, इन्दौर प्रगति के पथ पर अग्रसर होता गया।

जमाधन राशि में वृद्धि, ऋण वितरण राशि में वृद्धि अनेक ग्राहकोपयोगी सुविधाएं प्रदान करना व आधुनिक बैकिंग उपलब्ध करवाने हेतु प्रयत्नशील रहने का अध्ययन है।

KEYWORDS :

इन्दौर सदैव से ही कपड़े व्यापारी हेतु प्रसिद्ध रहा है महाराजा तुकोजीराव क्लाथ मार्केट का नाम पूरे भारत में कपड़े व्यापार हेतु जाना जाता है, इस बाजार के कुछ प्रमुख व्यापारियों के मस्तिश्क में 1971 में बैंकों के राश्ट्रीकरण के पष्चात हुए परिवर्तनों के कारण बैंकों से होने वाले लाभ की और गया उन्होने मिलकर सहकारी क्षेत्र को मिल रहे प्रोत्साहन व सुविधाओं को ध्यान रखकर 1972–73 में एक सहकारी बैंक की स्थापना के प्रयत्न आरम्भ किये। इन प्रयत्नों के फलस्वरूप 28 जनवरी 1974 को इन्दौर क्लाथ मार्केट को. आप. बैंक लि. इन्दौर ने अपना कार्य आरम्भ किया स्थापना के समय वर्श 1974–1975 में 4878 सदस्य थी अंष पूंजी 10.00 लाख जमाधन राषि 24.24 लाख जमाधन का विनियोजन 21.30 लाख था। ऋण का वितरण 8.45 लाख रूपये था। कुल आय 3.50 लाख रूपये होकर षुद्ध लाभ 1.21 लाख रूपये था कार्यषील पूंजी के रूप में 36.75 रूपये का धन था। कुल लेनदेन या टर्न ओव्हर 28.11 करोड़ का हुआ था जो कि किसी सहकारी बैंक के प्रथम वर्श में होना अत्यंत आसाजनक था। प्रथम वर्श में सदस्यों को 5: लाभांष वितरण किया गया था।

इस प्रकार बैंक उत्तरोत्तर प्रगति करता गया सदस्य संख्या, जमाधन ऋण वितरण राषि बढ़ती गई है व लाभ दर भी धीरे–धीरे बढ़ने लगी।

स्व. श्री बाबुलालजी पाटोदी , स्व. श्री हरिकिषन जी मुच्छाल, स्व. श्री बाबुलालजी बोहती के अध्यक्षीय कार्यकाल में बैंक की प्रगति होती गई अनेक ऐसे निर्णय किये गये जो कि सदस्यों हेतु सुविधाजनक व लाभकारी था। स्व. श्री तेजसिंहजी सुराणा का भी अध्यक्षीय कार्यकाल उल्लेखनीय प्रगति वाला रहा।

सन् 1911 के पष्चात् देष के आर्थिक नियमों में मूलभूत परिवर्तन किये गये बैंकिंग क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा सहकारी क्षेत्र को प्राप्त अनेक संरक्षण व सुविधाएं धीरे–धीरे कम होने लगे। कम्प्युटरीकरण में वृद्धि होने लगी समय के अनुसार कदमताल ना करने के कारण देष के अनेक सहकारी बैंकों की आर्थिक स्थिति जर्जर होने लगी। सहकारी क्षेत्र से लोगों की रूचि कम होने लगी। सम्पूर्ण बैंकिंग व्यवस्था बदलने लगी इन विपरीत परिस्थितियों में भी इन्दौर क्लाथ मार्केट को. आप. बैंक लि. इन्दौर प्रगति करता रहा।

बैंक ने परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लिया और आधुनिक बैंकिंग के अनुसार कार्य करने लगा। बैंक स्थापना से ही निश्पक्ष, नियमानुसार उत्कृश्ट कार्यक्षमता से कार्य करता रहा है, जो कि इस दौर में भी जारी रहे।

महाराश्ट्र ब्राह्मण सहकारी बैंक, सिटीजन अरबन को. आप. बैंक , मित्रमंडल को. आप. बैंक जैसे इन्दौर व म.प्र. के कई बैंक बंद हो गये व कई अन्य की आर्थिक स्थिति जर्जर होकर बंद होने के कगार पर आ गये, किन्तु इन्दौर क्लाथ मार्केट को. आप. बैंक प्रगति करता रहा। बैंक की प्रगति निम्नलिखित परिणामों से आसानी से जानी जा सकती है।

bUnkj DykFk ekdsZV dks- vki- csad fyfeVsM vkfFkZd fLFkfr dk rqyukRed iixfr i=d

	1974.75	2003.04	2004.05	2005.06	2006.07	2007.08	2008.09	2009.10	2010.11	2011.12	2012.13	2013.14
सदस्य संख्या	4878	15700	15100	15540	15383	15356	15317	15302	15260	15246	15187	15077
अंश पूंजी	10.00	194.15	188.63	188.57	193.55	206.49	242.75	260.54	276.92	297.85	320.14	328.26
निधियां	-	608.65	544.40	553.86	543.53	581.67	586.86	650.75	638.27	639.26	680.25	749.61
	-	144.50	141.30	124.21	104.12	94.17	91.81	77.04	00.00	83.79	73.55	73.83
अमानतें	24.24	7040.28	5281.04	5275.91	5907.48	6096.15	1096.76	8019.81	9410.40	10439.25	11122.44	11877.29
विनियोजन	21.30	3359.85	3626.07	3723.04	4298.96	4391.87	5068.31	5930.28	6913.04	7319.72	6195.80	6949.68

csad dh iixfr dh l{ksi fooj.k lnL;rk ,oa va'kiwath %

बैंक की स्थापना के समय सदस्य संख्या 4878 थी, जो मार्च 2014 में 15077 हो गई है। मार्च 2013 को अंषपूँजी रूपये 320.14 लाख थी जो बढ़कर 31 मार्च 2014 को 328.26 लाख हो गई है।

foRrh; fLFkfr%

बैंक की वित्तीय स्थिति पूर्णतः सुदृढ़ है। वर्श 2013–14 में निधियाँ रू. 749.61 लाख है। प्रदत्त अंषपूँजी 328.26 लाख है एवं नेटवर्क रूपये 816.64 लाख है, जो आर्थिक सुदृढ़ता की निषानी है।

vekursa ¼tek /ku½

बैंक की अमानतों में लगातार उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। गत वर्श अमानते रू. 11122.44 लाख थी वह 31 मार्च 2014 को बढ़कर 11877.29 लाख हो गई है। आलोच्य वर्श में बैंक में रूपये 754.85 लाख की वृद्धि हुई है।

fofu;kstu ¼tek /ku dk fuos'k½

बैंक द्वारा 2013–14 में विनियोजन रू. 6949.68 लाख था।

_.k ,oa vfxze%

बैंक द्वारा वितरित ऋण व अग्रिम रूपये 5617.05 लाख हो गये हैं। सदस्यों को उनकी आवष्यकताओं को दृश्टिगत रखते हुए उचित ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। इसके कारण बैंक के सभी वर्गों के सदस्य लाभान्वित हुए है।

olwyh%

बैंक द्वारा सदस्यों को जिस प्रकार आसान षर्तों पर षीघ्रता से ऋण दिया जा रहा है, वहीं वसूली के लिये भी पूर्ण सजग है। वसूली अभियान के अंतर्गत अनियमित रूप से या ऋण राषि नहीं चुकाने वाले सदस्यों को नोटिस, दावा (कोर्ट केस) , कुर्की कार्यवाही के साथ ही व्यक्तिगत सम्पर्क कर संचालक मंडल के सदस्यों एवं बैंक कर्मचारियों द्वारा व्यक्तिगत प्रभाव से वसूली की जा रही है। वर्श 2013–14 का ओव्हर ड्यु का प्रतिषत कुल ऋण से 2.33: था। गत वर्श का नेट एन.पी.ए. षून्य था जो इस वर्श भी षून्य ही है सकल एन.पी.ए. इस वर्श 1.49: रहा है।

dk;Z'khy iwath%

बैंक की 2013–14 की कार्यषैली पूँजी रू. 13094.67 लाख थी जो इस वर्श बढ़कर रूपये 139.20 लाख हो गई है।

'k) ykHk:
बैंक का 2013–14 का लाभ 79.91 लाख रहा है।

ykHkka'k:
बैंक द्वारा वर्श 2013–14 का लाभांष 10ः दर से सदस्यों के अनिवार्य संचय खाते में जमा कर दिया गया है।

vdds{k.k%
बैंक को वर्श 2013–14 व 2014–15 में अंकेक्षण में ''अ'' वर्ग प्रदान किया गया है। इस प्रकार प्रगति के आधार पथ पर अग्रसर है। इसके अतिरिक्त बैंक ने अन्य कई सुविधाएं भी सदस्यों को दी है जो इस प्रकार हैः–

Mk¶V lqfo/kk%
बैंक, व्यापारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए देष के अनेक षहरों पर नाममात्र के षुल्क पर बैंक ड्राफ्ट विभिन्न बैंकों के सहयोग से सुविधा उपलब्ध करा रही है। बैंक की सभी षाखाओं में त्ळैऐ ंदक छम्थ्ज् की सुविधा चालू है।

ykWdj lqfo/kk%
बैंक की 4 षाखाएँ कार्यरत हैं, जिसमें बैंक की तीन षाखाओं में लॉकर सुविधा न्यूनतम किराये पर उपलब्ध है।

cSd deZpkfj;ksa dks lqfo/kk%
बैंक कर्मचारियों को कर्मचारी मकान ऋण के अलावा तथा यदि कोई कर्मचारी बैंक का सदस्य है, तो उसे अतिरिक्त मकान ऋण सुविधा भी प्रदान की जा रही है तथा कम ब्याज दर पर वाहन ऋण सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

IFC dksM izkIr djuk:
बैंक की सभी षाखाओं को प्थ्ैब् कोड यस बैंक के माध्यम से प्राप्त किये गये हैं जो निम्नानुसार हैंः–

1. प्रधान कार्यालय – YES BOICMB01
2. सर हुकुमचंद मार्ग षाखा – YES BOICMB02
3. गुमाष्ता नगर षाखा – YES BOICMB03
4. एरोड्रम रोड षाखा – YES BOICMB04
5. सियागंज षाखा – YES BOICMB05

f'kdk;r iqfLrdk:
बैंक की सभी षाखाओं में खातेदारों एवं सदस्यों के लिये षिकायत पुस्तिका रखी गई है। षिकायत पुस्तिका में षिकायत या सुझाव दर्ज किये जा सकते हैं।

ØsfMV X;kjUVh dkWiksjs'ku%
बैंक के जमा अमानतदारों के रूपये 1.00 लाख तक की अमानतों की सुरक्षा हेतु भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देषानुसार निक्षेप बीमा एवं क्रेडिट ग्यारंटी कॉर्पोरेषन की प्रीमियम नियमानुसार जमा है।

fpfdRlk lgk;rk dks"k:
चिकित्सा सहायता कोश के अंतर्गत वर्श में सभी पात्र सदस्यों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।

बैंक के सम्पूर्ण अध्ययन के पष्चात् यह निश्कर्श निकलता है कि उन्नति षानदार है, बैंक का भविश्य उज्ज्वल है किन्तु समक्ष कुछ चुनौतियां भी हैं जो निम्न हैं–

orZeku pqukSfr;ka g%&
1. बैंक में कोर बैंकिंग नहीं है।
2. लेनदेन हेतु बैंक षाखाओं में ही जाना पड़ता है, जो निष्चित समय के अनुसार बंद व षुरू होती है। आकस्मिक परिस्थिति में धन निकासी, जमा की व्यवस्था नहीं है। ए.टी.एम. सुविधा उपलब्ध है।
3. डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड बैंक जो द्वारा जारी नहीं किये जाते हैं।
4. कोर बैंकिंग ना होने से समाषोधन गृह में बैंक के धनादेषों (चैक) का लेनदेन देरी से होता है।
5. बैंक कर्मचारियों में राश्ट्रीयकृत बैंकों व प्रमुख निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंकों के कर्मचारियों के समान कार्यदक्षता नहीं है।
6. बैंक की षाखाएं मुख्यतः औद्योगिक व्यापारिक क्षेत्र में है, साधारण रहवासी क्षेत्रों में नहीं है। इन्दौर षहर के सभी क्षेत्र व वर्गों तक बैंक की पहुँच नहीं है।
7. नवीन सदस्यता लगभग बंद के समान ही है।

उपरोक्त बैंक के समक्ष चुनौतियां बनके खड़े हैं। यदि बैंक निम्न सुझावों पर अमल करे तो, बैंक की प्रगति दर में वृद्धि के साथ सदस्यों की आकांक्षाओं वह और अधिक खरा उतर सकता है।

1. बैंक को कोर बैंकिंग की सुविधा उपलब्ध करवाने के विशय में चिन्तन व कार्य करना अति आवष्यक है।
2. बैंक को मोबाइल बैंकिंग की सुविधा प्रदान करना चाहिए।
3. सदस्यों व खातेदारों की सुविधा हेतु ।ज्ड़ स्थापित करना चाहिये।
4. बैंक कर्मचारियों को अधिक दक्ष बनाने हेतु आधुनिकतम बैंकिंग प्रणाली का प्रषिक्षण देना चाहिए।
5. षासकीय योजनाओं का संचालन बैंक में आरम्भ करना चाहिए, ताकि बैंक की पहुँच विस्तृत हो सके।
6. बैंक को ऋण प्रदान प्रक्रिया का और अधिक सरलीकरण करना चाहिए।
7. ऋण प्रदान राषि, जो कई कार्यों हेतु निर्धारित है उसमें वृद्धि करना चाहिए।
8. सदस्यों की संख्यां में वृद्धि की जानी चाहिए, इससे बैंक के कारोबार में वृद्धि होगी।
9. रिजर्व बैंक के नियमों का पालन करते हुए, इन्दौर षहर, इन्दौर जिले व आ. सपास के जिलों में भी अपनी षाखाएं खोलना चाहिए।
10. सदस्यों हेतु जमा व ऋण की अनेक आकर्शक योजनाएं प्रस्तुत करनी चाहिए।

fo"k; ij iwoZ izdkf'kr 'kks/k **(REVIEW)**
इन्दौर क्लाथ मार्केट को. आप. बैंक लिमिटेड इन्दौर पर पूर्व में षोध ना के बराबर है, षोधार्थी ने, जो बैंक से किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े हैं, के द्वारा बैंक की प्रगति का निश्पक्ष अध्ययन किया है, और चुनौतियां व सुझाव गहन अध्ययन के उपरांत प्रस्तुत किये गए हैं।

mn~ns';&**(OBJECTIVE)**
- जनसामान्य को बैंक की जानकारी देना।
- बैंक के सदस्यों को बैंक की उन्नति की सारगर्भित जानकारी देना।
- बैंक के समक्ष चुनौतियां का ज्ञान कराना।
- बैंक को चुनोतियां का सामना करने हेतु सुझाव देना ही इस षोध–पत्र के उद्देष्य है।

'kks/k v/;;u dh fof/k **(RESEARCH METHODOLOGY)**
प्रस्तुत अध्ययन मुख्य रूप से द्वितीयक संमको का उपयोग हुआ है। बैंक की कार्यप्रण ााली के अध्ययन हेतु अवलोकन प्रणाली की सहायता ली गई है। बैंक के सभी वर्गों के सदस्यों से साक्षात्कार प्रणाली के माध्यम से समस्याएं जानी गयी।

milagkj **(CONCLUSION)**
षोध से एक और बैंक की प्रगति का ज्ञान होता है, दूसरी ओर वर्तमान भविश्य की चुनौतियों का आभास होता है। सभी संबंधित वर्गों के सदस्यों की अपेक्षाओं के विशय में भी ज्ञान होता है साथ ही प्राप्त सुझाव से , सलाह से भविश्य की योजना निर्माण में सहायता प्राप्त होगी षोधपत्र सभी सहकारी बैंकों को दिषा संकेत के समान है सरकारी निजी क्षेत्रों के बैंकों की प्रतिस्पर्धा का सामना करने में सहायता प्रदान करने वाला है।

REFERENCES

पुस्तक लेखक द्य रिसर्च मेथोडोलाजी डा. वंदना वोहरा द्य इन्दौर क्लाथ मार्केट को. आप. बैंक लि. इन्दौर की वार्षिक रिपोर्टस द्य बैंक का सम्मानीय संचालक मंडल द्य बैंक के सम्मानीय अध्िाकारीगण द्य बैंक के सम्मानीय कर्मचारीगण द्य बैंक के पुराने खातेदार द्य बैंक के नवीन, युवा खातेदार द्य बैंक के ऋणी द्य समाचार पत्र, पत्रिकाएं